Dr. Sangita Kumari Sah
B.A. D-I (H) Third Paper

Continue.

Factors influencing Group cohesiveness

समाज मनोवैज्ञानिकों ने बहुत से ऐसे Factors या Variables का भी अध्ययन किया है जिनसे समूह समग्रता प्रभावित होती है कुछ ऐसे कारकों का भी अध्ययन किया गया है जिनसे समूह की समग्रता घटती या बढ़ती पायी गयी है। कुछ ऐसे कारक निम्न हैं —

(i) आवश्यकताओं की संतुष्टि →

समूह समग्रता इस बात से प्रभावित होती है कि समूह में भिन्न-भिन्न ranks के सदस्य होते हैं। कुछ सदस्य प्राथमिक होते हैं तथा कुछ सदस्य गौण होते हैं। प्राथमिक सदस्यों की भूमिका समूह के लिए गौण सदस्यों की भूमिका की अपेक्षा अधिक महत्वपूर्ण होती है। फलस्वरूप समूह प्राथमिक सदस्यों की अधिकतर आवश्यकताओं की एवं गौण सदस्यों की कुछ खास-खास आवश्यकताओं की पूर्ति करता है। समाज मनोवैज्ञानिकों का विचार है कि जिस समूह में दोनों तरह के सदस्यों की अधिकतर आवश्यकताओं की पूर्ति होती है वह समूह सदस्यों के लिए अधिक आकर्षक होता है तथा उसमें समूह समग्रता अधिक होती है। अगर किसी कारण वश सदस्यों की आवश्यकताओं की संतुष्टि समूह द्वारा नहीं हो पाती है तो वैसी परिस्थिति में समूह सदस्यों के लिए आकर्षक नहीं रह जाता है और उसके अस्तित्व ही खतरे में पड़ जाता है।

(2) समूह लक्ष्य :- प्रत्येक समूह का एक लक्ष्य होता है जिसे हम समूह लक्ष्य कहते हैं। समूह के प्रत्येक सदस्य का इस लक्ष्य में एक सामान्य विश्वास होता है। इस समूह लक्ष्य के अलावा सदस्यों का अपना वैयक्तिक लक्ष्य भी होता है जो प्रायः छिपा होता है। उदाहरणस्वरूप :- डाक्टरों के समूह का लक्ष्य मानव जाति का कल्याण करना हो सकता है परन्तु कुछ डाक्टरों का अपना वैयक्तिक लक्ष्य जैसे अधिक से अधिक धन कमाना या अधिक से अधिक सामाजिक सम्पर्क बनाना आदि भी हो सकता है। समाज मनोवैज्ञानिकों का मत यह है कि जब समूह का लक्ष्य तथा सदस्यों के वैयक्तिक लक्ष्य में संगति होती है तो

Ajanta Officer